# 'ब्रिक्स पीस सॉन्ग' से शांति का संदेश

## केन्द्रीय मंत्री शेखावत ब्रिक्स महोत्सव में बोले-सबको जोड़ते हैं कला और संगीत

**निज संवाददाता**

**भोपाल, 7 अगस्त.** रवींद्र भवन में शुक्रवार को ब्रिक्स सांस्कृतिक महोत्सव के दौरान जब अलग-अलग देशों की धुनें एक मंच पर गूंजीं, तो सभागार में बैठे लोग देर तक तालियां बजाते रहे. इसी बीच केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि ब्रिक्स देश सिर्फ राजनीति या व्यापार से नहीं, बल्कि संस्कृति, शांति और आपसी सम्मान से जुड़े हैं.

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि अलग भाषाएं और परंपराएं होने के बावजूद कला और संगीत सबको जोड़ते हैं. उन्होंने मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक पहचान का जिक्र करते हुए कहा कि यह प्रदेश सदियों से विविध परंपराओं का संगम रहा है. कार्यक्रम की शुरुआत 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' से हुई, जिसके बाद भारतीय और विदेशी कलाकारों ने एक के बाद एक प्रस्तुतियां दीं.

करीब आधे घंटे के संगीत कार्यक्रम में हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत का मिश्रण देखने को मिला. मुख्य आकर्षण 'ब्रिक्स पीस सॉन्ग' रहा, जिसमें कई देशों के कलाकारों ने साथ प्रस्तुति दी. अंत में सभी कलाकार एक साथ मंच पर आए और शांति व एकता का संदेश दिया. कार्यक्रम में मध्यप्रदेश की संस्कृति पर आधारित 'अमृतस्य मध्यप्रदेश' प्रस्तुति भी हुई, जिसमें लोक और शास्त्रीय नृत्य का मेल दिखा. 100 से ज्यादा कलाकारों ने इसमें हिस्सा लिया. अधिकारियों के मुताबिक ऐसे आयोजनों से देशों के बीच सांस्कृतिक समझ और सहयोग मजबूत होता है.

### विदेशी मेहमानों ने किया रेकी का अनुभव

ब्रिक्स सम्मेलन के बीच शहर में एक अलग तरह की गतिविधि भी देखने को मिली, जहां एक होटल में रेकी हीलिंग और मेडिटेशन सेशन आयोजित किया गया. इसमें 10 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए और भारतीय वेलनेस पद्धतियों को करीब से समझा. ऊर्जा गुरु आयुष गुप्ता ने प्रतिभागियों को रेकी की प्रक्रिया समझाते हुए मेडिटेशन कराया. उनके अनुसार रेकी से मन शांत होता है और ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है. कार्यक्रम में शामिल विदेशी मेहमानों ने इसे नया और सकारात्मक अनुभव बताया. आयोजकों के मुताबिक इस पहल का मकसद भारतीय आध्यात्मिक परंपराओं को वैश्विक मंच तक पहुंचाना है. कार्यक्रम में शामिल लोगों ने इसे तनाव कम करने और बेहतर जीवनशैली के लिए उपयोगी बताया. विशेषज्ञों ने भोपाल को वेलनेस गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने पर भी जोर दिया.

## राष्ट्रीय कराटे में दिखेगा मप्र का दम

**भोपाल, 7 अगस्त. ( खेल प्रतिनिधि )**कोलकाता में 9 अगस्त तक होने वाली तीन दिवसीय सब जूनियर, यूथ, कैडेट और जूनियर राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश के 57 खिलाड़ी कोलकाता पहुंच गए हैं. बालिका वर्ग में श्रेया कश्यप, आकांक्षा ठाकुर, आस्था तिवारी, वैदेही, दिव्या यादव और आस्था भट्ट जैसे खिलाड़ी शामिल हैं. भोपाल से 9 खिलाड़ी चयनित हुए है, जिनमें सोहम व्यास, अपराजिता ठाकुर, आध्या तिवारी, वैभवी, श्रिया, अक्षत, एरिका दिव्यांश व केशव शामिल हैं. ये खिलाड़ी 8 से 17 वर्ष के बीच की श्रेणी में हिस्सा लेंगे. टीम प्रबंधन के मुताबिक खिलाड़ियों ने चयन के बाद नियमित अभ्यास किया है और लक्ष्य लेकर कोलकाता पहुंचे हैं.

# महिला हॉकी में एमपी अकादमी चैंपियन

**खेल प्रतिनिधि**

**भोपाल, 7 अगस्त. मप्र हॉकी अकादमी की सब-जूनियर महिला टीम ने ग्वालियर में चौथी हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप-2026 का खिताब जीत लिया.**

इस प्रतियोगिता में अकादमी की खिलाड़ियों ने लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी अपने नाम की.राष्ट्रीय स्तर की इस चैंपियनशिप में युवा खिलाड़ियों को अलग-अलग अकादमियों के खिलाफ मुकाबले खेलने का मौका मिला. आयोजकों के मुताबिक प्रतियोगिता में जोन ए और बी की अकादमियों की टीमें शामिल रहीं. ग्वालियर में हुई चैंपियनशिप के बाद विजेता टीम को ट्रॉफी और पदक दिए गए. अकादमी अब इस प्रदर्शन की समीक्षा कर अगले आयु वर्ग के टूर्नामेंटों की तैयारी करेगी.

## निफ्ट में बुनाई का लाइव प्रदर्शन

**निज संवाददाता**

**भोपाल, 7 अगस्त. राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर निफ्ट भोपाल में शुक्रवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं को पारंपरिक बुनाई से जोड़ने पर जोर दिया गया.**

कार्यक्रम में कारीगरों के काम को समझाने के लिए लाइव डेमो भी रखा गया, जिससे छात्रों को सीधे सीखने का मौका मिला. डायरेक्टर अखिल सहाय ने कहा कि नए डिजाइनर्स को भारतीय परंपरा के साथ काम करना जरूरी है, तभी बाजार में इसकी पहचान मजबूत होगी. चंदेरी के कारीगर अरविंद नामदेव ने बुनाई का लाइव प्रदर्शन किया. विद्यार्थियों ने करघे पर काम करने की प्रक्रिया को करीब से देखा, इसमें इस्तेमाल होने वाले धागे, डिजाइन, समय की जानकारी ली. कार्यक्रम में फैकल्टी और छात्र-छात्राओं ने हथकरघा से बने कपड़े पहनकर भाग लिया, जिससे कैंपस में पारंपरिक वस्त्रों की झलक दिखी. आयोजकों के अनुसार ऐसे आयोजनों का उद्देश्य युवाओं को भारतीय टेक्सटाइल से जोड़ना और कारीगरों के काम को पहचान दिलाना है.

## सिंधी समाज : प्रतिभाओं का सम्मान कल

**संतनगर प्रतिनिधि**

**संतनगर, 7 अगस्त. भारतीय सिंधु सभा और सिंधी मेला समिति के संयुक्त तत्वावधान में 9 अगस्त को भोपाल के रवीन्द्र भवन में प्रांतीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा. कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शुरू होगा.**

समारोह में शिक्षा, साहित्य, कला, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली मप्र की 500 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा. राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी मुख्य अतिथि होंगे. विधायक भगवानदास सबनानी अध्यक्षता करेंगे. शैक्षणिक सलाहकार एवं मनोवैज्ञानिक कला मोहन तथा राजगढ़ एसपी अमित तोलानी विशेष रूप से आमंत्रित हैं. सिंधु सभा के प्रदेश अध्यक्ष गुलाब ठाकुर, महामंत्री महेश ठारवानी तथा सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी और महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया कि समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर उन्हें आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजन किया जा रहा है. कार्यक्रम के संयोजक हरि रोहरा तथा सह संयोजिकाएं रितिका बालानी और पूजा भाटिया हैं. समारोह में टैलेंट शो भी आयोजित होगा.

### एक नजर में

## फुटबॉल शिविर में भोपाल के तीन खिलाड़ी

**भोपाल, 7 अगस्त( खेल प्रतिनिधि ).** छत्तीसगढ़ में 25 अगस्त से होने वाली जूनियर बॉयज राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता 2026-27 के लिए मध्यप्रदेश के 25 खिलाड़ियों का प्रशिक्षण शिविर शुरू हो गया है. चयनित दल में भोपाल के मुनीर खान, युमनाम मैतई और आदर्श रघुवंशी को जगह मिली है. मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ के मुताबिक शिविर 7 अगस्त से लगाया गया है. इसमें चुने गए खिलाड़ियों की फिटनेस, तकनीक और मैच अभ्यास पर काम किया जाएगा. राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अंतिम टीम का चयन शिविर के बाद किया जाएगा. मुनीर खान और युमनाम मैतई भोपाल के मदन महाराज क्लब से खेलते हैं. दोनों क्लब स्तर की प्रतियोगिताओं में लगातार हिस्सा लेते रहे हैं. आदर्श रघुवंशी जेएलयू की टीम से खेलते हैं. तीनों के चयन से भोपाल के स्थानीय फुटबॉल खिलाड़ियों को भी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर मिला है.

## 'धागा-एक पहचान' शिल्प महोत्सव शुरू

**भोपाल, 7 अगस्त.** राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर अचारपुरा स्थित एनआईडी परिसर में शुक्रवार से तीन दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत हुई. 'धागा - एक पहचान' नाम से हो रहे इस आयोजन में देशभर के कारीगर अपने काम का प्रदर्शन कर रहे हैं. इसका उद्देश्य पारंपरिक शिल्प को नई पीढ़ी से जोड़ना बताया गया है. कार्यक्रम का उद्घाटन संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने किया. पहले दिन अलग-अलग राज्यों से आए कारीगरों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए. यहां मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों की बुनाई और हस्तशिल्प की झलक देखने को मिल रही है. कार्यक्रम में टफ्टेड रग मेकिंग और लिप्पन आर्ट की लाइव कार्यशालाएं भी रखी गई हैं, जहां लोग सीधे कारीगरों से सीख रहे हैं. इसके साथ ही जनजातीय नृत्य और शिल्प प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही. परिसर में लगे स्टॉल पर पारंपरिक वस्त्र और स्थानीय खाद्य सामग्री भी उपलब्ध है. संस्था ने बताया यह आयोजन 9 अगस्त तक चलेगा. अंतिम दिन मानव संग्रहालय में प्रदर्शनी और फैशन शो होगा.

## 'याद-ए-दुष्यंत' में गूंजे शेर और कविताएं

**भोपाल,7 अगस्त.** दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के राज सदन में शुक्रवार को 'याद-ए-दुष्यंत' कार्यक्रम आयोजित हुआ. आयोजन संग्रहालय और मध्यावर्त के संयुक्त सहयोग से हुआ, जिसमें कवि दुष्यंत कुमार को उनकी रचनाओं के जरिए याद किया गया. कार्यक्रम में उनके पुत्र आलोक त्यागी भी शामिल हुए. कार्यक्रम की शुरुआत में दुष्यंत कुमार की चर्चित पंक्तियों का पाठ किया गया. संग्रहालय की निदेशक करुणा राजुरकर ने उनके शेरों का उल्लेख करते हुए उनके साहित्यिक योगदान को याद किया. इस दौरान स्थानीय रचनाकार सुरेश पटवा के ग़ज़ल संग्रह का लोकार्पण भी किया गया. इसके बाद आयोजित काव्य पाठ में विभिन्न शहरों से आए कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं.

### नगर में आज

**विमर्श**
समय – 11:30 बजे से, स्थान-सप्रे संग्रहालय, पत्रकार कॉलोनी

**कलम से मंच तक**
समय - दोपहर 2 :00 बजे से, स्थान - संस्कृति भवन

**राष्ट्रीय हथकरघा दिवस**
समय – दोपहर 12 बजे से, स्थान – एनआईडी परिसर

**स्वदेशी हैंडलूम मेला**
समय– प्रात: 11 बजे से, स्थान– गौहर महल

**शलाका चित्रकला प्रदर्शनी**
समय – 2 बजे से, स्थान – जनजातीय संग्रहालय

## सही समझ के लिए पहले दर्शन, फिर ज्ञान : आचार्यश्री

**निज संवाददाता**

**भोपाल, 7 अगस्त. राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के मौके पर एमपी नगर स्थित विद्योदय तीर्थ में हथकरघा उत्पादों के प्रोत्साहन और स्वदेशी अपनाने का संदेश दिया गया, वहीं सुबह हुए आध्यात्मिक स्वाध्याय सत्र में साधना में भावों की शुद्धता पर जोर दिया गया.**

स्वाध्याय कक्षा में आचार्यश्री समयसागर महाराज ने कहा कि साधना केवल बाहरी क्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यक्ति के भीतर चल रहे भाव ज्यादा मायने रखते हैं. उन्होंने उदाहरण देकर समझाया कि भोजन करना एक क्रिया है, लेकिन उसके प्रति मन में उत्पन्न आसक्ति अलग विषय है. साधक को हर स्थिति में अपने मन और भावों पर नजर

रखनी चाहिए, तभी साधना सार्थक होती है. दूसरी ओर, राष्ट्रीय हस्तकरघा दिवस पर परिसर में बने विक्रय केंद्र में हस्तनिर्मित वस्त्रों और उत्पादों का निरीक्षण किया गया. संस्था के मुताबिक कार्यक्रम के जरिए लोगों को स्थानीय कारीगरों का समर्थन करने और स्वदेशी उत्पाद अपनाने के लिए प्रेरित किया गया.

# मातृ-शिशु पोषण और स्तनपान की दी जानकारी

### संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में आयोजन

**संतनगर प्रतिनिधि**

**संतनगर, 7 अगस्त. संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज, भोपाल के खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से न्यू मार्केट स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में मातृ एवं शिशु पोषण तथा स्तनपान जागरुकता को लेकर सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में डॉ. अमित सिंह एवं डॉ. रश्मि श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं.**

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्तनपान के महत्व, उचित स्तनपान पद्धति और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार के

प्रति जागरुकता बढ़ाना रहा. इस दौरान हर्षा भटनागर, विभागाध्यक्ष, खाद्य एवं पोषण विभाग, संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज ने स्तनपान के महत्व पर जानकारीपूर्ण इंडक्शन एवं जागरुकता सत्र लिया. कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डालिमा परवानी ने कहा कि विद्यार्थियों की शिक्षा तभी सार्थक होती है, जब वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज के हित और जनजागरूकता के लिए करें.

## 40 बुनकरों के उत्पादों से सजा गौहर महल

### राज्य स्तरीय स्वदेशी हैंडलूम मेला शुरू

**निज संवाददाता**

**भोपाल, 7 अगस्त. राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर शुक्रवार से गौहर महल में राज्य स्तरीय स्वदेशी हैंडलूम मेला शुरू हुआ. यह मेला 14 अगस्त तक चलेगा. उद्घाटन समाजसेवी रेणु देवड़ा ने किया.**

मेले में प्रदेश समेत अलग-अलग राज्यों के करीब 40 से ज्यादा बुनकर और शिल्पकार अपने उत्पाद लेकर पहुंचे हैं. यहां चंदेरी और महेश्वरी साड़ियां,

सिल्क-कॉटन कपड़े, कुर्तियां और अन्य पारंपरिक परिधान खरीदारों को आकर्षित कर रहे हैं. अधिकारियों ने बताया कि पारंपरिक बुनाई और हस्तशिल्प को एक ही जगह देखने का मौका मिल रहा है. प्रदर्शनी में बाग प्रिंट, दाबू प्रिंट और बटिक जैसे पारंपरिक कपड़े भी रखे गए हैं. इसके साथ ही बेल मेटल शिल्प, जरी-जरदोजी, बीड वर्क, लकड़ी के खिलौने और जनजातीय आभूषण भी लोगों का ध्यान खींच रहे हैं. गोंड और पिथौरा पेंटिंग के जरिए जनजातीय संस्कृति की झलक देखने को मिल रही है.

## तिरुपति नेशनल के लिए महू में होगा चयन

**भोपाल, 7 अगस्त ( खेल प्रतिनिधि ).** महू में 7 अगस्त से 26वीं सीनियर एवं सब-जूनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप शुरू हुई, जो 9 अगस्त तक खेली जाएगी. तीन दिन की इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को तिरुपति में होने वाली 72वीं राष्ट्रीय सीनियर बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए मध्यप्रदेश टीम में जगह मिल सकती है. मध्यप्रदेश बॉल बैडमिंटन संघ के अनुसार महू में होने वाली प्रतियोगिता में करीब 400 से 500 खिलाड़ी उतरेंगे.

# नई पैकेजिंग में सांची के ब्रांड

### 45 साल के भरोसे को मिला नया रूप

**भोपाल, 7 अगस्त.** मध्यप्रदेश राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ के प्रमुख डेयरी ब्रांड सांची ने अपनी नई ब्रांड पहचान और आकर्षक पैकेजिंग लॉन्च की है. नए स्वरूप वाले सांची उत्पाद शनिवार 8 अगस्त से भोपाल के बाजारों में उपलब्ध होंगे. नए डिजाइन में आधुनिक रंगों, आकर्षक लेआउट और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को शामिल किया गया है. भोपाल में आयोजित लॉन्च समारोह में एनडीडीबी और एमपीसीडीएफ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वितरक और खुदरा विक्रेता भी मौजूद रहे. एनडीडीबी अध्यक्ष डॉ. मीनेश शाह ने कहा कि सांची मध्यप्रदेश की दुग्ध सहकारी समितियों और किसानों की मेहनत का प्रतीक है. नई पहचान गुणवत्ता और दुग्ध उत्पादक किसानों के हितों के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करती है. एमपीसीडीएफ के प्रबंध संचालक डॉ. संजय गोवानी ने कहा कि 45 वर्षों से सांची लाखों परिवारों के विश्वास का हिस्सा रही है. नई पहचान केवल डिजाइन में बदलाव नहीं, बल्कि समय के साथ आगे बढ़ने की सोच को दर्शाती है.

### आजादी के लिए संघर्ष | भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ आज, महिलाओं ने भी संदेश पहुंचाए

# पर्चे बांटकर लोगों को जोड़ा अंग्रेजों के खिलाफ

**कंचन शिवपुरिया**

**भोपाल, 7 अगस्त. भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ 8 अगस्त शनिवार को मनाई जाएगी. 8 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के आह्वान के बाद भोपाल रियासत में भी अंग्रेजपरस्त नवाबी शासन के खिलाफ विरोध तेज हुआ. उस समय नवाब हमीदुल्ला खान के अधीन नवाब रियासत की पुलिस ने नेताओं और प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की, लेकिन प्रजामंडल से जुड़े कार्यकर्ता भूमिगत रहकर आंदोलन चलाते रहे.**

भोपाल की भूमिका सिर्फ विरोध प्रदर्शनों तक सीमित नहीं थी. यह सीहोर, रायसेन, विदिशा, बुधनी, आष्टा और इछावर तक

शाकिर

चतुरनारायण

लाल सिंह

जहूर

संदेश और पर्चे पहुंचाने का केंद्र भी बना. शहर में प्रजामंडल की गतिविधियों के जरिए लोगों को अंग्रेजी शासन के खिलाफ जोड़ा गया. छात्र, युवा और महिलाएं इस नेटवर्क की अहम कड़ी बने. शाकिर अली खान, पंडित चतुरनारायण मालवीय, मास्टर लाल सिंह, जहूर हाशमी और सईदउल्ला खां रजमी ने गिरफ्तारी और पाबंदियों के बीच आंदोलन को आगे बढ़ाया. शाकिर अली खान को कई बार जेल भेजा गया. नेताओं की गिरफ्तारी के बाद कार्यकर्ताओं ने पर्चे बांटे और लोगों तक संदेश पहुंचाने का काम संभाला. भोपाल के यादगार-ए-शाहजहानी पार्क में प्रजामंडल का अधिवेशन हुआ था. इसमें सीहोर, रायसेन, विदिशा और इंदौर से स्वतंत्रता सेनानी पहुंचे. प्रजामंडल ने नवाब को अंग्रेजी हुकूमत से संबंध खत्म करने का नोटिस भेजा. इसके पर्चे इंदौर में छपवाकर भोपाल लाए. अक्षय कुमार जैन ने इन्हें आसपास के क्षेत्रों में पहुंचाया, बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. इसके विरोध में मॉडल हाईस्कूल के विद्यार्थियों ने हड़ताल की. गोविंद श्रीवास्तव और अजीम खां के नेतृत्व में निकले जुलूस पर रियासत पुलिस ने लाठियां चलाईं.

## जन-केंद्रित शहरों की दिशा में बढ़ने का आह्वान

### मैनिट में पैदल यात्री स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

**नवभारत प्रतिनिधि**

**भोपाल, 7 अगस्त. मैनिट में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन मैनिट के वास्तुकला एवं नियोजन विभाग और स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल द्वारा किया गया.**

सम्मेलन का शुभारंभ स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के निदेशक डॉ. कैलासा राव के आतिथ्य में हुआ. आईटीडीपी इंडिया की प्रबंध निदेशक अश्वथी दिलीप ने कहा कि सड़कों को सार्वजनिक स्थलों के रूप में विकसित करने की जरूरत है. वक्ताओं ने माना कि सड़कें ऐसा क्षेत्र जहां आजीविका, संस्कृति, सामाजिक जुड़ाव और आम जीवन आपस में मिलते हैं. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स की निदेशक डॉ. देबोलिना कुंडू व अन्य वक्ताओं ने विचार रखे.